

## **Seminar on 'Gender Equality' (2024 25)**

Gender equality means that all genders are free to pursue their desired career, lifestyle and abilities without any discrimination. Their rights, opportunities and access to society do not differ on the basis of their gender. Gender equality does not mean that everyone is treated exactly the same.

Keeping this in mind, a special program on 'Gender Equality' was organized at St. Montfort School, in the school auditorium for the students of class VIII. The program was headed by the School Counselor, Mrs. Shraddha Balwani. She highlighted the the significance of such a subject and also provided guidance on what gender equality means for all of us in our society.

Gender equality is a matter of rights not only for women but also for men equally. In which everyone should have equal rights, opportunities and security. The teacher also made the students aware of the atrocities happening in the form of physical, mental and sexual, etc. Taking the series of programs forward, the respected Principal of the school addressed the students in which he talked about the social and personal relationships with each other through discipline, good conduct and restrained behavior. The conduct to be followed was highlighted and proper guidance was provided to the students.

The session was a fruitful one.

Archana Prasad

## लैंगिक समानता सेमिनार ( 2024 – 25)

लैंगिक समानता का मतलब है कि सभी लिंग बिना किसी भेदभाव के अपने मनपसंद करियर, जीवनशैली और योग्यताओं को अपनाने के लिए स्वतंत्र हैं। उनके अधिकार, अवसर और समाज तक उनकी पहुँच उनके लिंग के आधार पर अलग-अलग नहीं हैं। लैंगिक समानता का मतलब यह नहीं है कि सभी के साथ बिल्कुल एक जैसा व्यवहार किया जाता है। इसी बात पर प्रकाशित करते हुए आज दिनांक 25/07/24 को सेंट मॉन्टफोर्ट विद्यालय भोपाल में कक्षा आठवीं के छात्र-छात्राओं के लिए विद्यालय के सभागार में एक विशेष कार्यक्रम 'लैंगिक समानता' का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की प्रमुख सलाहकार श्रीमती श्रद्धा बलवानीजी के द्वारा की गई। उन्होंने छात्र – छात्राओं को विषय से संबंधित विभिन्न बातों से अवगत कराया, साथ ही किस प्रकार हमारे समाज में हम सभी के लिए लैंगिक समानता का क्या मतलब होता है, इस बात पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

लैंगिक समानता केवल महिलाओं के लिए ही नहीं बल्कि पुरुषों के लिए भी समान रूप से अधिकार का विषय है। जिस में सभी को समान अधिकार, अवसर और सुरक्षा प्राप्त होनी चाहिए। शिक्षिका के द्वारा भौतिक, मानसिक और लैंगिक आदि रूपों में होने वाले अत्याचारों, घटनाओं आदि से भी छात्रों को अवगत कराया। कार्यक्रम की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए विद्यालय के आदरणीय प्राचार्य महोदयजी के द्वारा छात्र-छात्राओं को संबोधन किया गया जिसमें विद्यालय में छात्र-छात्राओं के द्वारा किए जाने वाले अनुशासन, आचरण और संयमित व्यवहार से एक – दूसरे के साथ किए जाने वाले सामाजिक और व्यक्तिगत आचरण किए जाने पर प्रकाश डाला गया तथा छात्र-छात्राओं को उचित मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

**कविता मीना**